सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 11 ● अंकः 167 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार 22 जुलाई, 2025

जब तक गलती करने की स्वतंत्रता ना हो तब तक स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं है।

–महात्मा गाँधी

नीतीश कुमार सीरीज और अर्शदीप अगले मैच... 7 | ममता ने बंगाल में चला नया... 3 | यूपी में जानबूझकर खराब की... 2

मानसून सत्र के दूसरे दिन फिर संसद में हंगामा

वोटर लिस्ट को लेकर विपक्ष ने सरकार से पूछे तीखे सवाल

» पीएम से जवाब मांग रहे हैं विपक्षी नेता
» दूसरे दिन भी सदन को किया गया स्थगित
» विपक्षी सांसदों का संसद के बाहर प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन भी दोनों सदनों में जोरदार हंगामा चला। हंगामें को देखते हुए सदन को स्थगित कर दिया गया। मंगलवार को विपक्ष ने लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा किया। विपक्षी सांसदों की मांग है कि पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर सदन में चर्चा हो। पीएम इन पर जवाब दें। वहीं, बिहार वोटर लिस्ट की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी सांसदों ने मकर द्वार के बाहर नारेबाजी की।

वहीं राज्य सभा में उपराष्ट्रति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की जानकारी सदन को दी गई। हालांकि इसको लेकर भी काफी हो-हल्लाा हुआ। उधर प्रदर्शन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई सांसद शामिल हुए। बता दें संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक यानी कुल 32 दिन चलेगा। इस दौरान 18 बैठकें होंगी, 15 से ज्यादा बिल पेश होंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के कारण 13-14 अगस्त को संसद की कार्यवाही नहीं होगी। केंद्र सरकार मानसून सत्र में 8 नए बिल पेश करेगी, जबकि 7 लंबित बिलों पर चर्चा होगी। इनमें मणिपुर त्रस्ज्ञ संशोधन बिल 2025, इनकम टैक्स बिल, नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल जैसे विधेयक शामिल हैं। पहले दिन नए इनकम टैक्स बिल पर बनी संसदीय कमेटी की रिपोर्ट लोकसभा में पेश होगी।

राहुल, अखिलेश समेत पूरे विपक्ष ने किया जोरदार विरोध-प्रदर्शन

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस लीडर राहुल गांधी के साथ अखिलेश यादव और अन्य विपक्षी नेता संसद के मकर द्वार पर पहुंचे और विरोध-प्रदर्शन किया। प्रोटेस्ट कर रहे सांसदों के हाथ में बैनर और तख्ती भी नजर आई।

राजनाथ व जयशंकर ने की बैठक

दूसरे दिन की कार्यवाही से पहले संसद भवन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर की बैठक हुई। इसमें केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा समेत अन्य मंत्री भी शामिल हुए। वहीं,इंडिया गठबंधन के नेताओं ने भी मीटिंग की।

राज्यसभा में उठा जगदीप धनखड़ के इस्तीफे का मुद्दा

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद मंगलवार को राज्यसभा में जमकर हंगामा हुआ। सदन में धनखड़ के अचानक इस्तीफे का मुद्दा भी उठाया गया। उपसभापति हरिवंश ने सुबह के सत्र की कार्यवाही की अध्यक्षता की। भारत के उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं। आमतौर पर धनखड़ दिन की शुरुआत में कार्यवाही की अध्यक्षता करते थे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंची याचिका

बता दें कि बिहार में जारी स्ब्रक्रको लेकर लड़ाई संसद और सड़के के अलावा अदालत तक भी पहुंच गई है। दरअसल, 11 विपक्षी पार्टियों, कुछ ह्लह्र और बिहार के कुछ लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। इसमें उन्होंने स्ब्रक्रको रद्द करने और पिछले साल दिसंबर में बनी लिस्ट के आधार पर ही चुनाव कराने की मांग की थी। हालांकि, चुनाव आयोग ने कोर्ट से इस याचिका को खारिज करने की अपील की है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

पीएम मोदी बोले- उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। बीते दिन ही धनखड़ ने राष्ट्रपति मुर्मू को पत्र भेजकर पद से इस्तीफे की बात कही थी। उन्होंने इस्तीफे के पीछे स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर धनखड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

उन्होंने लिखा, जगदीप धनखड़ को भारत के उपराष्ट्रपति सहित कई भूमिकाओं में देश की सेवा करने का अवसर मिला है। मैं उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

बंगाली बोलने वालों पर हो रहा अत्याचार : सागरिका

इस बीच ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने कहा कि बीजेपी शासित राज्यों में बंगाली भाषा बोलने वाले लोगों पर अत्याचार हो रहे हैं। उन्हें बांग्लादेशी और रोहिंग्या करार दिया जा रहा है। यह बंगाली भाषी लोगों पर हमला है। हम इसका विरोध करेंगे।

मतदाता सुरक्षित नहीं तो लोकतंत्र भी खतरे में : झा

बिहार चुनाव पर राजद सांसद मनोज झा ने कहा- अगर लोकतंत्र में मतदाता सुरक्षित नहीं है, तो लोकतंत्र भी सुरक्षित नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त को इस मामले की जांच करनी चाहिए।

यूपी में जानबूझकर खराब की जा रही है बिजली व्यवस्था : अखिलेश

सपा प्रमुख बोले-बिजली के निजीकरण करने की हो रही साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर हमला अनवरत जारी है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा सरकार में प्रदेश की बिजली व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। इस सरकार ने अपने नौ साल के कार्यकाल में बिजली की स्थिति में सुधार के लिए कोई काम नहीं किया। सरकार ने जानबूझकर बिजली व्यवस्था को खराब होने दिया, ताकि कर्मचारियों और अधिकारियों पर आरोप लगाकर निजीकरण किया जा सके।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि प्रदेश में बिजली की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। उत्पादन कम है, मांग ज्यादा है। इस सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में एक भी यूनिट उत्पादन नहीं बढ़ाया। प्रदेश को आज जो बिजली मिल रही है, वो समाजवादी सरकार में लगाए बिजलीघरों के उत्पादन से ही मिल रही है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बिजली की भारी कमी है। शहरों में ब? पैमाने पर अघोषित कटौती हो रही है। छोटे नगरों और गांवों में कटौती बहुत ज्यादा है। मुरादाबाद में ऊर्जा मंत्री के कार्यक्रम में ही बिजली कट गई।

जनता के विरोध का भाजपाइयों के पास जवाब नहीं

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के राज में बिजली विभाग बेचा जाएगा और जनता को निजी कंपनियों का भारी-भरकम बिल चुकाना होगा। भाजपा राज में बिजली उत्पादन, पारेषण या वितरण में कोई तरक्की नहीं हुई है। जब जनता विरोध करती है तो भाजपाइयों को कोई जवाब देते नहीं बनता।

प्रदेश में बिजली को लेकर हाहाकार

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि प्रदेश में बिजली को लेकर हाहाकार है। अघोषित कटौती हो रही है। धान की रोपाई का समय चल रहा है। लेकिन किसानों को बिजली नहीं मिल रही है। छोटे शहरों और गांवों में बिजली की स्थिति बेहद खराब है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बिजली मंत्री इसीलिए बनाया है, ताकि विभाग अपने करीबियों को बेचना आसान हो जाय। समाजवादी सरकार में एटा, कानपुर देहात, ललितपुर और पनकी समेत कई जिलों में पॉवर प्लांट लगाए गए, लेकिन भाजपा सरकार ने बिजली उत्पादन और आगे ब?ाने के लिए कोई काम नहीं किया।

लोगों को दी सावन की शुभकामनाएं

पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने देश एवं प्रदेशवासियों को सावन के पावन महीने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह महीना भगवान शिव को समर्पित है और भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फल मिलता है। पावन श्रावण मास में महादेव भगवान शिव के मंदिरों में भक्तगण प्रत्येक सोमवार को रुद्राभिषेक, शिव उपासना, शिव भक्ति और सेवा करके अपने-अपने मनोरथ पूर्ण की कामना करते हैं।

आप और भाजपा भ्रष्टाचार में बराबर की साझेदार : देवेंद्र यादव

» नेताओं के जुआ खेलते पकड़े जाने पर बवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षद जोगिंदर सिंह के जुआ खेलते पकड़े जाने को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आप और भाजपा दोनों ही अपने अपराधी नेताओं को संरक्षण देती है और उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करती।

यादव ने कहा कि भाजपा नेता इस घटना पर केवल दिखावटी नाराजगी जता रहे हैं जबकि खुद उनकी पार्टी के पार्षद महिपालपुर वार्ड में अवैध वसूली में लिप्त पाए गए। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा अध्यक्ष को पहले अपनी पार्टी के भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करनी चाहिए। इसके अलावा यादव ने कहा कि अगर आप में थोड़ी भी नैतिकता बची है तो जोगिंदर सिंह को तत्काल पार्टी से निष्कासित किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि आप का नेतृत्व शुरू से ही आपराधिक और भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को बढ़ावा देता रहा है। अरविंद केजरीवाल ने जिस आंदोलन से शुरुआत की उसी के नाम पर उन्होंने भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने कहा कि सत्ता छिनने के बाद आप के नेता बेलगाम हो गए हैं और जनता के भरोसे के साथ धोखा कर रहे हैं।

अपने दम पर राज्य पंचायत चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

» बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को किया जा रहा है तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस पंचायत चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। इस चुनाव के जरिए वह 2027 विधानसभा चुनाव का बिगुल फूंकेगी। यही वजह है कि संगठन सृजन में एड़ी चोटी का जोर लगाया जा रहा है। हर कार्यकर्ता को एकता का पाठ पढ़ाया जा रहा है। बूथ को सक्रिय करके पंचायत चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की जा रही है।

सोमवार को कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में भी संगठन सृजन को 2027 फतह का मूल मंत्र बताया गया। बैठक में मौजूद प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि संगठन सृजन सिर्फ कार्यकारिणी गठित करने के लिए नहीं हो रहा है बल्कि यह एक ऐसा प्रदेश व्यापी अभियान है जिसका लक्ष्य 2027 का विधानसभा चुनाव है। हम आगामी पंचायत चुनाव में अपने दम पर लड़ेंगे और इन्हीं चुनावों में 2027 के रण का बिगुल फूंक देंगे। पहला चरण 15 अगस्त 2025 तक बूथ स्तर तक की कार्यकारिणी गठित कर पूरा हो जाएगा। संगठन सृजन अभियान के तहत समीक्षा बैठकें 16 जुलाई से पश्चिम जोन के मेरठ से शुरू हुई हैं। 17 जुलाई को ब्रज जोन के जनपद अलीग?, बुंदेलखंड जोन के जनपद झांसी, प्रयाग जोन के जनपद प्रयागराज, पूर्वांचल जोन के जनपद गोरखपुर में बैठकें हो चुकी है। इसी के तहत सोमवार को लखनऊ में बैठक हुई।

बीजेपी के खिलाफ जनता का आक्रोश दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है : अजय राय

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जनता का आक्रोश दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। अब वह समय दूर नहीं जब लोग अपने वोट की चोट से इस तानाशाही सरकार को बदल देंगे। इस दौरान पूर्व सांसद पीएल पुनिया, एपी गौतम एवं रविप्रकाश वर्मा, विधायक श्री वीरेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, अनिल यादव आदि मौजूद रहे।

तीन वर्ष बाद सीएम योगी से मिले बृजभूषण सिंह

» बंद कमरे में हुई आधे घंटे तक बातचीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर मुलाकात की। लंबे समय से एक दूसरे से दूरी बनाए दोनों नेताओं की करीब तीन साल बाद हुई मुलाकात से सियासी हलचल बढ़ गई है। इसके तरह-तरह के मायने निकाले जा रहे हैं। सीएम और पूर्व सांसद के बीच करीब आधे घंटे तक बंद कमरे में बातचीत हुई। हालांकि सोशल मीडिया पर इस मुलाकात सिर्फ शिष्टाचार मुलाकात बताया जा रहा है।

वहीं, बृजभूषण शरण सिंह ने कहा सीएम प्रदेश के मुखिया हैं तो मुलाकात का कोई सियासी मायने नहीं निकाला जाना चाहिए। सीएम से मुलाकात के बाद मीडिया से हुई अनौपचारिक बातचीत में पूर्व सांसद ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि बातचीत में कोई खास बात तो नहीं थी, अलबत्ता मुलाकात होना ही खास बात है। बता दें कि बृजभूषण शरण सिंह और सीएम से करीब लंबे समय से संवाद नहीं होने की बात कही जा रही है। कई बार बृजभूषण के बयानों से इस बात के कयास भी लगाए जा रहे थे कि वह सरकार से नाराज चल रहे हैं। यही नहीं, बृजभूषण ने कई बार अपने बयानों से प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। कई बार सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को छोटा भाई बताते हुए उनकी जमकर तारीफ करके भी उन्होंने सियासी चर्चाओं को जन्म दिया। कई मौकों पर पूर्व सांसद ने सीएम से मुलाकात के सवालों पर यह कहते भी रहे हैं कि जब चाहेंगे, तब सीएम से मुलाकात कर लेंगे। सीएम से मिलने में उनके साथ ऐसी कोई दिक्कत नहीं है। सोमवार की शाम को अचानक पांच कालीदास पहुंचे बृजभूषण को देख वहां के लोग भी हैरान रहे। वहीं, सूत्रों कहा कहना है कि सीएम से मिलकर बाहर निकलने बृजभूषण का बॉडी लैंग्वेज बदला हुआ था। वह अधिक प्रसन्न दिख रहे थे। माना जा रहा है कि सीएम से बृजभूषण की मुलाकात के बाद अब दोनों नेताओं के बीच एक बार फिर से संवाद के दरवाजे खुल गए हैं। वहीं, सूत्रों कहना है कि पंचायत चुनाव और फिर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर भी यह मुलाकात अहम मानी जा रही है। पूर्व सांसद भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआइ) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। राम मंदिर आंदोलन के दौरान भी उन्होंने सक्रिय भूमिका निभाई थी।

बदले की कार्रवाई के लिए किया गया ईडी-सीबीआई का दुरुपयोग : सिद्धारमैया

» पत्नी को मिली सुप्रीमकोर्ट से राहत तो केंद्र पर भड़के सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। भाजपा और उसके सहयोगियों पर उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाने के लिए संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

सिद्धारमैया ने कहा कि भाजपा और उसके सहयोगी, राजनीतिक रूप से मेरा सामना करने में असमर्थ, सीबीआई और ईडी जैसी संवैधानिक जाँच एजेंसियों का दुरुपयोग करके मेरी पत्नी के खिलाफ झूठा मामला गढ़ रहे हैं, जिससे मुझे भारी परेशानी हो रही है। मुझे और मेरे परिवार को जो मानसिक कष्ट पहुँचाया गया है, उसे मैं कभी नहीं भूल सकता।कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन मामले में उनकी पत्नी पार्वती सिद्धारमैया की जाँच करने की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अपील खारिज कर दी गई थी। एक्स पर एक पोस्ट में सिद्धारमैया ने इस फैसले को ÷केंद्र सरकार के मुँह पर न्याय का करारा तमाचा÷ बताया और मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोदचंद्र की सुप्रीम कोर्ट की पीठ को उनके फैसले के लिए धन्यवाद दिया। अपने लंबे राजनीतिक जीवन में मैंने हमेशा संविधान और देश के कानून का सम्मान किया है। सर्वोच्च न्यायालय के आदेश द्वारा इस विश्वास को बरकरार रखा गया है और इसकी रक्षा की गई है।

ममता ने बंगाल में चला नया दांव

हिंदुत्व के तोड़ में उतारा बंगाल गौरव

- विस चुनाव की तैयारी में जुटी टीमएसी
- बंगाल की सभी सीटों पर संगठन को मजबूत करेगी कांग्रेस
- विपक्ष की तैयारी से भाजपा को नुकसान
- मुस्लिम आरक्षण पर कांग्रेस में असमंजस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ने अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए कमर कस लिया है। उन्होंने 21 जुलाई को बहुत बड़ी रैली कर भाजपा को घेरने की तैयारी की। टीएमसी सरकार ने इस रैली के माध्यम से बीजेपी के हिंदुत्व की काट बंगाल गौरव से निकालने का रास्ता निकाला। ऐसा नहीं है कि केवल टीमएमसी ही चुनावी मोड में आई हैं। भाजपा, कांग्रेस से लेकर देश की हर के पार्टी ने वहां पर चुनाव लड़ने के लिए अपनी रणनीति बनानी शुरू कर दी है। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने हाल ही में पश्चिम बंगाल कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक कर उन्हें राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत करने का टास्क दे दिया है।

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के नेताओं को पश्चिम बंगाल में जनाधार और संगठन को मजबूत करने की सलाह दी है। वहीं भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा से लेकर गृहमंत्री अमित शाह तक राज्य के दौरों कोई कमी नहीं कर रहे हैं। वर्ष 2016 में पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी ने 45.6 प्रतिशत वोट हासिल कर राज्य की 211 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी को वोट भी ज्यादा मिले और सीटों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई।

पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर संगठन को मजबूत बनाने की कांग्रेस की कवायद के साथ ही यह बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि इससे सबसे ज्यादा नुकसान किसको होगा ? क्या कांग्रेस के मजबूत होने का खामियाजा पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उठाना पड़ेगा या फिर कांग्रेस की मजबूती से भाजपा को नुकसान उठाना पड़ेगा,जो ममता बनर्जी विरोधी मतों के सहारे राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर काम कर रही है। इसके लिए हमें वर्ष 2016 और वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गौर करना पड़ेगा। वर्ष 2016 में पश्चिम बंगाल में राज्य की सभी 294 सीटों पर हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी ने 45.6 प्रतिशत वोट हासिल कर राज्य की 211 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वर्ष 2021 में हुए विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी को वोट भी ज्यादा मिले और सीटों की संख्या में भी ब ़ोतरी हुई। 2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 48.5 प्रतिशत वोट हासिल कर टीएमसी ने 213 सीटों पर कब्जा जमाया था। बीजेपी के प्रदर्शन की बात करें तो 2016 में राज्य की 291 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद पार्टी के खाते में सिर्फ 3 सीटें ही आ पाई थी और मत भी 10.3 प्रतिशत ही मिल पाया था। वहीं उस चुनाव में लेफ्ट पार्टियों के साथ मिलकर लड़ी कांग्रेस ने 12.4 प्रतिशत मत के साथ 44 सीटें जीती थी।

मेरी छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा विपक्ष : ममता

ममता बनर्जी, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए पिछले दिनों लंदन की यात्रा की थी। बनर्जी ने कहा कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं लेकिन किसी भी नेता को किसी अन्य नेता की विदेश यात्रा से पहले उसकी छवि खराब नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह व्यक्ति देश का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने कहा, ''ईर्ष्या के इलाज के लिए कोई दवा नहीं है। विपक्ष मेरी लंदन यात्रा को लेकर मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन मेरी विदेश यात्रा से पहले मुझे बदनाम करके वे देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे थे। बनर्जी 21 मार्च को लंदन के लिए रवाना हुईं। ऑक्सफोर्ड में उनका व्याख्यान 27 मार्च को हुआ था। अपनी यात्रा के दौरान, वह राज्य में निवेश के लिए 25 मार्च को उद्योगपतियों से भी मिलीं। वह 28-29 मार्च को कोलकाता लौट आई थीं। केंद्र ने उनकी यात्रा को पहले ही मंजूरी दी थी।

कांग्रेस की मजबूती से भाजपा होगी कमजोर

राज्य के आंकड़े यह साफ-साफ बता रहे हैं कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस अगर मजबूत होती है तो इसका खामियाजा भाजपा को भी उठाना पड़ सकता है। ममता बनर्जी के बारे में यह मान कर चला जा रहा है कि मुसलमानों की बड़ी आबादी मजबूती से उनके साथ खड़ी है और लाभार्थी हिंदुओं का साथ हासिल करने के बाद वह और भी ज्यादा मजबूत हो जाती है। ऐसे में अगर कांग्रेस के वोटों का आंकड़ा 3 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत को पार कर जाता है तो इसका नुकसान प्रारंभिक तौर पर भाजपा को ही होगा। लेकिन अगर कांग्रेस अगड़ी जातियों और मुसलमानों के अपने पुराने वोट बैंक को वापस ला पाने में थोड़ा बहुत भी कामयाब हो जाती है और 15 प्रतिशत के आसपास वोट हासिल कर लेती है तो फिर इसका नुकसान ममता बनर्जी को उठाना पड़ सकता है।

भाजपा ने 180 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को सत्ता से बाहर करने के लिए अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए कम से कम 180 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु पूर्व मेदिनीपुर जिले के तामलुक में एक रैली में भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में आपने जिले की दोनों सीटें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को उपहार में दीं। अब हमें संकल्प लेना है कि हम इस जिले की सभी 16 विधानसभा सीटें और राज्य में कम से कम 180 सीटें जीतेंगे। इस बार हम ममता बनर्जी को पूर्व मुख्यमंत्री बना देंगे। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में आपने जिले की दोनों सीटें (प्रधानमंत्री) नरेंद्र मोदी को उपहार में दे दी। अब संकल्प लें कि हम इस जिले की सभी 16 विधानसभा सीटें जीतेंगे। हम राज्य में कम से कम 180 सीटें हासिल करेंगे। इस बार हम ममता (बनर्जी) को पूर्व मुख्यमंत्री बनाएंगे।

2021 में विस चुनाव में कांग्रेस को मिली हानि

2021 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का पश्चिम बंगाल में प्रदर्शन सबसे ज्यादा शर्मनाक रहा। जबकि भाजपा के शानदार प्रदर्शन ने राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया। पिछले चुनाव में कांग्रेस का मत प्रतिशत 12.4 प्रतिशत से घटकर महज 3 प्रतिशत रह गया और पार्टी के खाते में एक भी सीट नहीं आ पाई। वहीं भाजपा का मत प्रतिशत 10.3 प्रतिशत से बढ़कर 38.5 प्रतिशत पर पहुंच गया और सीटों की संख्या भी 3 से बढ़कर 77 पर पहुंच गई।

बंगाल में मुस्लिम आबादी 40 प्रतिशत से अधिक

पिछली जनगणना 2011 में हुई थी और अद्यतन गणना से यह पुष्टि हो जाएगी कि बंगाल में मुस्लिम आबादी 40 प्रतिशत से अधिक हो गई है। वे मुस्लिम वोटों का इस्तेमाल करके सत्ता में आते हैं, लेकिन वे हमारे लिए कुछ नहीं करते। हमारा मानना है कि 90 प्रतिशत मुस्लिम वोटों की वजह से ही टीएमसी यहां सरकार बनाने में सक्षम है। उन्होंने टीएमसी और भाजपा दोनों पर आरोप लगाते हुए उन्हें एक ही सिक्के के दो पहलू बताया और कहा कि वे मुस्लिम वोटों से सत्ता में आते हैं लेकिन समुदाय के लिए काम करने में विफल रहते हैं।

ममता की टेंशन बढ़ा सकते हैं ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल की आबादी में अब मुसलमानों की संख्या 40 प्रतिशत से अधिक है और घोषणा की कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने अपना राजनीतिक एजेंडा पेश किया, जिसमें राज्य में मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। हम यहां एक बड़ी घोषणा करने आए हैं। इंडियन एक्सप्रेस ने एआईएमआईएम प्रवक्ता इमरान सोलंकी के हवाले से कहा कि हमने महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और दिल्ली में चुनाव लड़ा। बंगाल में हम सभी सीटों से लड़ेंगे। पिछले पंचायत चुनावों में, एआईएमआईएम को मालदा में 60,000, मुर्शिदाबाद में 25,000 और अन्य क्षेत्रों में 15,000 से 18,000 वोट मिले थे। पार्टी के एक नेता ने बताया कि यह कार्यक्रम एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के निर्देशन में आयोजित किया गया था। इस दौरान पार्टी की विस्तार योजनाओं और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीतियों पर भी चर्चा की गई। मुस्लिम वोटों के दोहन के आरोपों के जवाब में सोलंकी ने दावा किया कि हाईकोर्ट से फोर्ट विलियम तक का इलाका वक्फ की संपत्ति है, जिसका लाभ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को मिलता है। तृणमूल वक्फ की संपत्तियों का फायदा उठाती है। अगर सरकार को मुस्लिम वोट चाहिए तो उसे वक्फ बोर्ड का हिसाब हमसे साझा करना चाहिए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

व्यक्तिगत डेटा का सुरक्षित होना जरूरी

भारत ही नहीं, आज दुनियाभर के देशों में निजी या व्यक्तिगत डेटा का सुरक्षित होना एक बड़ा मुद्दा बन चुका है। अब भारत सरकार ने जनगणना कराने का निर्णय लिया है, जो अगले वर्ष से शुरू हो जाएगी, जिसमें देश के प्रत्येक नागरिक को अपना निजी डेटा साझा करना होगा। इस डेटा की सुरक्षा सरकार के लिए भी चुनौती होगी। हाल के वर्षों में साइबर अपराधियों ने डेटा चोरी की बड़ी घटनाओं को अंजाम दिया है। 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की जब गिनती होगी, उनका डेटा एकत्रित किया जाएगा। उसे कैसे साइबर अपराधियों से सुरक्षित रखा जाएगा, इसका विश्वास सरकार को भारतीयों को दिलाना ही चाहिए। पहले बात भारत में डेटा सुरक्षा के प्रमुख कानूनों की करते हैं। भारत ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023 बनाया है। यह भारत का पहला पूर्ण डेटा संरक्षण कानून है, जिसके तहत सहमति के बिना व्यक्तिगत डिजिटल डेटा नहीं लिया जा सकता। डेटा के दुरुपयोग पर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

सरकार ने एक स्वतंत्र डेटा संरक्षण बोर्ड की स्थापना का प्रावधान किया है। आईटी अधिनियम 2000 के सेक्शन 43ए और 72ए में डेटा उल्लंघन पर कानूनी दंड का प्रावधान है। आधार अधिनियम 2016 में आधार डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए यूआईडीएआई को अधिकृत किया गया है। इतना ही नहीं, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत निजता का अधिकार अब मौलिक अधिकार घोषित हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संवैधानिक पीठ ने वर्ष 2017 में यह ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। डेटा चोरी रोकने के कानूनों की शक्ति के बावजूद इस पर पूरी तरह से लगाम नहीं लग पा रही है। अब डेटा लीक की कुछ चिंताजनक घटनाओं पर एक नजर डालते हैं। वर्ष 2018 में आधार डेटा लीक होने की खबर सामने आई, जिसमें मात्र 500 रुपए में किसी का आधार विवरण हासिल किया जा सकता था। यह लीक नाम, पता, मोबाइल नंबर, फोटो और बैंक लिंकिंग जैसे संवेदनशील विवरण तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सरकारी प्रणाली की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिह्न था। वर्ष 2023 में कोविन पोर्टल से वैक्सीनेशन डेटा लीक हुआ, जहां टेलीग्राम बॉट के जरिए कोई भी व्यक्ति किसी मोबाइल नंबर को डालकर उस व्यक्ति का नाम, लिंग, जन्मतिथि, वैक्सीनेशन स्टेट्स, पहचान पत्र आदि जान सकता था। एक डिजिटल पेमेंट कंपनी से वर्ष 2021 में 10 करोड़ लोगों की केवाईसी और बैंक डिटेल लीक हो गई थीं। वर्ष 2021 में एक फास्ट फूड चेन से 18 करोड़ ऑर्डर का नाम, पता और लोकेशन लीक हो गई और आईआरसीटीसी से वर्ष 2016-23 के बीच में कई बार यात्रियों की जानकारी लीक हुई।

“ 140 करोड़ से अधिक भारतीयों की जब गिनती होगी, उनका डेटा एकत्रित किया जाएगा। उसे कैसे साइबर अपराधियों से सुरक्षित रखा जाएगा, इसका विश्वास सरकार को भारतीयों को दिलाना ही चाहिए। पहले बात भारत में डेटा सुरक्षा के प्रमुख कानूनों की करते हैं। भारत ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023 बनाया है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नैतिकता और अभिव्यक्ति की आजादी के यक्ष प्रश्न

ज्योति मल्होत्रा

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया बेहद दिलचस्प व्यक्ति हैं। सिर्फ इसलिए नहीं कि वे हिंदी फिल्म निर्देशक तिग्मांशु धूलिया के बड़े भाई हैं- जिन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर, पान सिंह तोमर, साहिब बीवी और गैंगस्टर आदि फिल्में बनाई- बल्कि इसलिए कि उनमें आपको एक नेकनीयत गुस्सा दिख सकता है, जो उनके फैसलों में झलकता है। जिनमें बुराई को सजा व अच्छाई को राहत मिलती दिखती है, या फिर, सबसे महत्वपूर्ण है अपनी पसंद-नापसंदगी की आजादी का विचार, जो संविधान में दिया मूलभूत अधिकार है, वह खामोशी से उनके फैसलों में खुद को दोहराता है। उन्हें नायक में तबदील किए जाने के खतरे के बावजूद, वे नायक बनने की काबिलियत रखते हैं। हम जैसे लोगों ने इस अप्रैल में उनके द्वारा मद्रास हाईकोर्ट के दिए एक फैसले को बरकरार रखने की सराहना की थी, जिसमें एक दुष्ट माता-पिता को अपनी ही बेटी-दामाद की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया ('एक क्रूर और घिनौना जुर्म ... गहरे तक जड़ें जमाए जातिवाद की कुरूप सच्चाई')।

अप्रैल में ही, धूलिया ने सवाल किया था कि महाराष्ट्र की एक नगरपालिका में उर्दू को लेकर इतना पूर्वाग्रह क्यों कायम है ('यह पूर्वाग्रह इस धारणा से उपजा कि उर्दू भारत में विदेशी है...यह सोच गलत है'); और 2022 में, उन्होंने कर्नाटक सरकार के उस फैसले के खिलाफ एक विभाजित फैसला दिया, जिसमें मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने से रोक दिया गया था ('यह पसंद का मामला होना चाहिए...अंतरात्मा, आस्था एवं अभिव्यक्ति का मामला')। वैसे सुप्रीम कोर्ट में अन्य 'सितारे' भी हैं - पिछले हफ्ते, हरियाणा के जस्टिस सूर्यकांत, जो जल्द अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं,उन्होंने देश के युवा दिलों को खुशी से भर दिया, जब अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली महमूदाबाद के मामले में हरियाणा के पुलिस कर्मियों को फटकार लगाई - पुलिस ने अली के सभी डिवाइस जब्त कर लिए थे और पिछले 10 वर्षों में उनकी विदेश यात्राओं का ब्योरा मांगते हुए, उनके कथित अपराध (ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग हेतु एक मुस्लिम महिला को प्रवक्ता चुनने पर सरकार को निशाना बनाती सोशल मीडिया पोस्ट्स) की जांच का दायरा बढ़ाने पर।

ये वही जस्टिस सूर्यकांत हैं, जिन्होंने मार्च में कॉमेडियन रणवीर अल्लाहबादिया मामले में नाना विशेषण

('घृणित' और 'अपमानजनक') दिए थे, जब रणवीर ने मां-बाप को लेकर भौंडा मजाक किया था। तब, जस्टिस सूर्यकांत ने अभिव्यक्ति की आजादी और अश्लीलता के बीच सदा एक रेखा कायम रखने की नसीहत दी थी। मई में कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने में दिशा-निर्देश जरूरी हैं। गत हफ्ते की शुरुआत में, न्यायमूर्ति सूर्यकांत का रूप खुलकर सामने आया। जीवन एवं स्वतंत्रता के हक से संबंधित अनु.21 को लेकर उन्होंने कहा कि इसका अधिमान बोलने एवं अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े अनु. 19 से अधिक है, और रहेगा। स्पष्टतया, उनका मानना था कि कुछ मौलिक अधिकार दूसरों की तुलना में अधिक मौलिक हैं। निश्चित रूप से, हमारे संस्थापक पुरखों ने युगों-युगों तक रहने वाली इस दुविधा के बारे में सोचा होगा। इसलिए उन्होंने अनुच्छेद 19 (1) में दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी पर कुछ अंकुश लगाते हुए, फौरन अगले अनुच्छेद 19 (2) में कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी संपूर्ण नहीं, और भारत की संप्रभुता एवं अखंडता, जन व्यवस्था या नैतिकता के हित में इस पर उचित अंकुश होने चाहिए। अंतिम वाक्यांश के बारे में, सवाल है कि क्या सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की नैतिकता की धारणा आम नागरिक की शालीनता से ज्यादा अहमियत रखती है और इन दोनों पर आखिरी फैसला कौन लेगा। अक्सर, समुदायों के रीति-रिवाज या चाल-चलन कानून की किताबों से बहुत ऊपर होते हैं, लेकिन लक्ष्मण रेखा के बाहर जाकर देखने के लिए एक साहसी व्यक्ति की जरूरत होती है।

जब धारा 377, जिसने 1862 में समलैंगिकता को अपराध घोषित किया था, जिसे अंतत: 2018 में हटा दिया गया, तो पूर्व भाजपा नेता जेतली, जो जाने-माने वकील भी थे, ने अपने साथी पार्टी नेताओं को समझाया कि अगर समान लिंग के कुछ लोग आपस में यौन संबंध बनाते हैं तो इससे कोई आसमान टूटने वाला नहीं है। इसी तरह, जब माननीय न्यायाधीश को वास्तविक जीवन में अभिव्यक्ति की आजादी के मोल का भान अच्छी तरह है, तो सोशल मीडिया के मामले में इसको अलग ढंग से क्यों बरता जाए? क्या अली महमूदाबाद की पोस्ट्स अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा थीं या फिर महिलाओं को अपमानित करने का नुस्खा, जैसा कि एक भाजपा नेता का मानना था? सोशल मीडिया की वे टिप्पणियां जो किसी के लिए बहुत ज़्यादा अपमानजनक हैं या अन्यों के लिए इतनी कि संख्या गिनने में न आए।

आत्मीय संवाद से रिश्तों की गरिमा की रक्षा

आज यदि पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में हिंसक प्रवृत्तियां विकसित हो रही हैं तो कहीं न कहीं संवादहीनता उसके मूल में है। एक-दूसरे के मनोभावों को समझकर और संवेदनशीलता के साथ टकराव को टाला जा सकता है।

सुरेश सेठ

भारतीय समाज में सामंती सोच खत्म नहीं हुई है — इसका एक उदाहरण हाल ही में गुरुग्राम में देखने को मिला। दस जुलाई को एक राज्यस्तरीय टेनिस खिलाड़ी बेटी की उसके ही पिता ने गुस्से में आकर गोली मारकर हत्या कर दी। कारण? बेटी की कमाई पर आश्रित रहने वाले पिता को यह ताना सुनना पड़ता था कि वह अपनी बेटी से कमाकर खा रहा है। पिता के अनुसार, आस-पड़ोस के लोग उसे ताना देते थे कि वह बेटी से एकेडमी बंद नहीं करवा सका। इसी कुंठा और सामाजिक दबाव में उसने अपनी ही संतान की जान ले ली। किताबों में यह सच पढ़ाया जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों को आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों की हर उपलब्धि मां-बाप के लिए गर्व का विषय होती है। मगर यहां स्थिति उलट है-बेटी ने न केवल अपने पिता के सपनों को साकार करते हुए एक सफल टेनिस खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाई, बल्कि आगे चलकर एक टेनिस अकादमी भी शुरू की।

यही सफलता उसके लिए काल बन गई, क्योंकि पिता और आस-पड़ोस की दकियानूसी सोच उसकी राह का रोड़ा बन गई। यह केवल एक रिश्ते की हत्या नहीं है। आज के समय में पति-पत्नी, मां-बच्चे, गुरु-शिष्य जैसे रिश्तों के बीच की संवेदनशीलता और आत्मीयता भी कमजोर पड़ती जा रही है-वहीं आत्मा से उपजे आदर्शों की वह धरती, जहां संबंधों के फूल खिला करते थे, अब मुरझा रही है। हम जिस समाज की कल्पना करते हैं-जहां रिश्ते स्नेह, सम्मान और सहयोग की बुनियाद पर टिके होते हैं-वहां आज नफरत, ईर्ष्या और अपूर्ण आकांक्षाओं की घातक छाया फैलती जा रही है। आज की भौतिकतावादी दौड़ ने समाज में ऐसी विकृत मूल्य प्रणाली को जन्म दिया है, जिसमें व्यक्ति किसी भी कीमत पर आगे बढ़ना चाहता है— चाहे वह नैतिकता की हत्या करके ही क्यों न हो।

अपनी छवि को 'पाक-साफ' बनाए रखने की होड़ और दूसरों की सफलता से उपजी ईर्ष्या ने इंसानी सोच को इतना विषाक्त कर दिया है कि रिश्तों और जिम्मेदारियों की गरिमा ही नष्ट होती जा रही है। अगर गुरुग्राम में एक पिता अपनी ही बेटी की सफलता से जलकर उसे गोली मार देता है, तो वहीं एक कस्बाई शहर में एक स्कूल प्राचार्य को इसलिए गोली मार दी जाती है क्योंकि वह छात्रों को अनुशासन का पाठ पढ़ा रहा था-उन्हें सही ढंग से कपड़े पहनने, बाल संवारने और नशे से दूर रहने की सलाह दे रहा था। यह उदाहरण दर्शाते हैं कि कैसे विकृत मूल्यों की बलि वेदी पर आज न जाने कितने रिश्ते, आदर्श और जीवन मूल्य रोज कुर्बान हो रहे हैं। माहौल में एक अजीब किस्म की हिंसा और असहिष्णुता घर कर गई है।

समाज जैसे संवेदना-विहीन होता जा रहा है — जहां न शिक्षा का सम्मान है, न रिश्तों की पवित्रता की कोई जगह बची है। रिश्तों की संवेदना मिटती जा रही है। शहरों की सड़कें भीड़ से भरी हैं, लेकिन यह सिर्फ शरीरों की भीड़ है-आत्माओं का कोई संवाद नहीं। सोशल मीडिया और आभासी दुनिया ने संवाद को राष्ट्रों तक फैला तो दिया है, लेकिन यह संवाद नहीं, सिर्फ 'संपर्क' रह गया है — खोखला, सतही और बहुधा नकली। सर्वेक्षण बताते हैं कि आज दुनिया का हर छठा व्यक्ति अकेलेपन का शिकार है, और लाखों जिंदगियां इस त्रासद अंधेरे में गुम होती जा रही हैं। नवीन आंकड़ों के अनुसार, अकेलापन हर वर्ष 8 लाख से अधिक लोगों की जान ले रहा है। यह सिर्फ सामाजिक संबंधों का टूटना नहीं है, बल्कि व्यक्ति का अपने ही घर-परिवार से कट जाना है। स्वार्थ के अंधकार में डूबे हुए इन लोगों की आंखों से अपनत्व की छाया भी लुप्त हो जाती है। ऐसे माहौल में लोग केवल अपने बारे में सोचते हैं, अपने स्वार्थ को ही सर्वोपरि मानते हैं। दूसरों के दुख-दर्द के क्षणों में, या किसी हिंसक घटना के सामने होते हुए भी, सहायता करने के बजाय वे उसका वीडियो बनाने लगते हैं।

यह माहौल बदलना होगा। संवाद फिर से स्थापित करना होगा। इसके लिए समाज में स्वस्थ मूल्यों और आदर्शों की नींव को बचाना बेहद आवश्यक है। लेकिन यह तभी संभव है जब हम भौतिक आपाधापी से थोड़ा हटकर, किसी अलग रास्ते पर चलने का साहस करें। व्यक्ति जब अकेला हो जाता है, तो वह खुद को इस दुनिया से निर्वासित-सा महसूस करता है। उसके लिए जीवन का हर रास्ता, हर मोड़ पलायन जैसा हो जाता है और जीवन का कोई अर्थ शेष नहीं रहता। वह अवसाद की काली छाया से ग्रस्त हो जाता है। चिकित्सकीय आंकड़े बताते हैं कि भारत में अवसादग्रस्त लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। काश! इस अकेलेपन की जगह संवाद, समझदारी और आत्मीयता का संदेश मिल पाता — तो शायद यह संख्या इतनी भयावह न होती। इस दिशा में गंभीर पहल करने की जरूरत है।

पालक

पालक न्यूट्रिएंट्स का पावर हाउस है। आयरन से भरपूर पालक पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती है। इसमें मौजूद मैग्नीशियम मांसपेशियों के काम को कंट्रोल करने और थकान को कम करने में मदद करता है। खासतौर पर हार्ड वर्कआउट के बाद पालक का सेवन लाभकारी माना जाता है। इसकी मदद से लंबे दिनों तक स्टैमिना बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके अलावा पालक विटामिन बी और अन्य महत्वपूर्ण विटामिन जैसे ए, ई, के और सी से भरपूर होता है जो त्वचा की बनावट में सुधार करने और त्वचा संबंधी कई विकारों के इलाज में मदद करता है। यह सूरज की हानिकारक अल्ट्रा-वायलेट विकिरणों से त्वचा को बचाने में भी मदद करता है। यह सूरज की क्षति के मामले में त्वचा की चिकित्सा को बढ़ावा देता है और समय से पहले बूढ़ा होने, त्वचा कैंसर और सूरज से होने वाले अन्य त्वचीय विकारों को रोकता है।

चिया सीड

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चिया सीड न सिर्फ दिल के लिए बल्कि स्टैमिना बढ़ाने के लिए भी अच्छा होते है। ओमेगा-3 फैटी एसिड सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं, जिससे एक्सरसाइज के दौरान मांसपेशियों को बल मिलता है। चिया बीज फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट से भी भरपूर होते हैं। ऐसे में अगर इनका नियमित सेवन किया जाए तो हेल्थ बेनिफिट्स मिलते हैं।

केला

पोटेशियम, कार्बोहाइड्रेट, और विटामिन से भरपूर केले एक्सरसाइज के दौरान खोए हुए इलेक्ट्रोलाइट्स को वापस लाते हैं, जिसके कारण ये वर्कआउट से पहले, और बाद में खाने के लिए एक बढ़िया विकल्प बन जाता है। केले को चाहे ओटमील में काटकर खाएं, या स्मूदी में मिलाकर। चलते-फिरते ये हर तरह से हमारे शरीर का स्टैमिना बढ़ाने में मददगार हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए विटामिन सी बेहद जरूरी होता है। आमतौर पर संतरे और खट्टी चीजों को विटामिन सी का अच्छा स्त्रोत माना जाता है, लेकिन केला भी विटामिन सी की जरूरत को पूरा कर सकता है। एक मीडियम साइज का केला हमारी दिन की विटामिन सी की जरूरत का 10 प्रतिशत पूरा करता है। विटामिन सी हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के अलावा आयरन को एब्सॉर्ब करने में मदद करता है।

बेजान शरीर में ताकत भरेंगी ये चीजें

सीढ़ियां चढ़ने पर नहीं फूलेगी सांस

थकान-कमजोरी का सबसे बढ़िया इलाज खाने-पीने पर ध्यान देना है। आप अपनी डाइट में बदलाव करके अपने शरीर में ऊर्जा और जान भर सकते हैं। आप स्टैमिना बढ़ाने के लिए इन चीजों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। आज के दौर में जहां हर किसी की जिंदगी भागदौड़ से भरी है और काम खत्म होने का नाम नहीं लेते। वहां खुद को ऊर्जावान बनाए रखना बहुत जरूरी है। एनर्जी ड्रिंक्स और तरह-तरह के सप्लीमेंट थोड़े समय के लिए शरीर में ताकत भर देते हैं, लेकिन परमानेंट स्टैमिना बढ़ाने के लिए नेचुरल डाइट ही सबसे अच्छा उपाय है।

ओट्स

कार्बोहाइड्रेट से भरपूर ओट्स शरीर को लगातार ऊर्जा देते हैं, जिससे लंबे समय तक आपका पेट भरा रहता है और आप खुद को अधिक ऊर्जावान महसूस करते हैं। ओट्स में फाइबर भी भरपूर मात्रा में होता है, जो पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है, और स्टैमिना बनाए रखने में मददगार है। ओट्स का सेवन आपके वजन को कम करने में सहायक हो सकता है। इस बात कि पुष्टि एक साइंटिफिक रिसर्च से भी हो चुकी है। ठीक से पेट साफ न होने पर दिनभर स्वभाव चिड़चिड़ा रहता है। ऐसे में ओट्स का सेवन कर कब्ज की समस्या को दूर किया जा सकता है। ओट्स में पाए जाने वाला फाइबर इस समस्या से निजात दिलाने में सहायक हो सकता है, क्योंकि यह भोजन को पचाकर मल के रूप में बाहर निकालने का काम करता है।

क्विनोआ

क्विनोआ को एक संपूर्ण प्रोटीन माना जाता है। इसमें सभी नौ आवश्यक अमीनो एसिड होते हैं, जो इसे स्टैमिना बढ़ाने वाले किसी भी डाइट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसमें पाई जानी वाली हाई प्रोटीन मात्रा मांसपेशियों के ऊतकों की मरम्मत में मदद करती है, और लंबे समय तक चलने वाली गतिविधियों जैसे साइकिल चलाना, या लंबी पैदल यात्रा के लिए जरूरी लगातार ऊर्जा प्रदान करती है।

हंसना मना है

फ्रेंडः यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता, मिठाई खाने को? सांताः यार करता तो बहोत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो.. इसलिए, चूसकर रख देता हूं।

मैं बचपन से इतना प्रतिभाशाली रहा हूं कि रिश्तेदार परीक्षा परिणाम के बाद सिर्फ इतना ही पूछते है, तू पास हुआ या नहीं?

सरदार अपनी बीवी के साथ टैक्सी में बैठा, ड्राइवर ने आईना सेट किया, ये देखते ही सरदारः मेरी बीवी को देखता है, तु पीछे बैठ टैक्सी मैं चलाऊंगा!

अर्ज किया है, फिजा में महकती शाम हो तुम, प्यार का पहला जाम हो तुम, और क्या कहे जानम तुम्हारे बारे में, खर्चे का दूसरा नाम हो तुम..

हम हमेशा दो लोगों के लिए अगरबत्ती लगाते है, एक भगवान के लिए, उन्हें बुलाने के लिए.. और दूसरी अगरबत्ती मच्छर के लिए, उन्हें भगाने के लिए.. पर होता उसके बिलकुल उलटा है.. भगवान आते नहीं हैं और मच्छर है कि जाते नहीं है।

कहानी | सबसे बड़ा हथियार

बादशाह अकबर कामकाज के अलावा भी कई चीजों के बारे में बीरबल से बातचीत किया करते थे। ऐसे ही बैठे-बैठे एक दिन बादशाह ने बीरबल से पूछा कि इस दुनिया में सबसे बड़ा हथियार तुम्हारे हिसाब से कौन-सा होता है? इस बात के जवाब में बीरबल ने कहा कि संसार में आत्मविश्वस से बड़ा हथियार कुछ और नहीं हो सकता है। यह बात अकबर के समझ में नहीं आई, लेकिन फिर भी उन्होंने कुछ नहीं कहा। उनके मन में हुआ कि समय आने पर इस बात की परख की जाएगी। कुछ दिनों बाद राज्य में एक हाथी बेकाबू हो गया। पता करने पर समझ आया कि वो पागल हो गया है। उसे कर्मचारियों ने जंजीरों से जकड़ लिया था। इसकी खबर जैसे ही बादशाह को पहुंची, तो उन्होंने सीधे महावत से कहा कि जब भी तुम्हें बीरबल आता दिखे तो हाथी की जंजीरों को खोल देना। यह सुनकर महावत हैरान हो गया, लेकिन बादशाह का आदेश था, इसलिए सिर झुकाकर चला गया। अब अकबर ने बीरबल को महावत के पास जाने के लिए कहा। महावत ने भी बादशाह के आदेश का पालन करते हुए बीरबल को आते देख हाथी को जंजीरों से मुक्त कर दिया। बीरबल को इस बात की खबर नहीं थी, इसलिए वो आराम से चल रहे थे। तभी उनकी नजर चिंघाड़ते हुए हाथी पर पड़ी। जैसे ही उन्होंने देखा कि हाथी उनकी ही तरफ आ रहा है। वो कुछ समझ नहीं पाए। कुछ ही देर में उनके दिमाग में हुआ कि बादशाह ने मेरी आत्मविश्वास वाली बात को परखने के लिए ही इस हाथी को मेरे पीछे छोड़ने का आदेश दिया होगा। अब बीरबल इधर-उधर भागने की सोच रहे थे, लेकिन ऐसा कुछ हो नहीं पाया। सामने से हाथी आ रहा था और अगल-बगल में भागकर जाने की जगह नहीं थी। इतने में हाथी बीरबल के काफी करीब पहुंच गया। तभी बीरबल ने सामने एक कुत्ते को देखा और उसे टांगों से पकड़कर हाथी की तरफ फेंक दिया। कुत्ता चीखते हुए हाथी से टकराया। उसकी ऐसी चीखें सुनकर हाथी वापस उल्टी दिशा में भागने लगा। कुछ ही देर में इस बारे में बादशाह अकबर को पता चला, तब जाकर उन्होंने माना कि आत्मविश्वास ही मनुष्य का सबसे बड़ा हथियार है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

भाग्य का साथ मिलेगा। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है।

वृषभ

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें। पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं।

कर्क

कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। शत्रु परास्त होंगे।

सिंह

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

कन्या

वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

तुला

कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

वृश्चिक

आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें।

धनु

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। भागदौड़ रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मकर

आय में निश्चितता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कुम्भ

आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मीन

मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रमाद न करें।

बॉलीवुड | एलान

सांसद बनने के बाद लगा कि अब फिल्मी करियर खत्म हुआ : रवि

एक्टर-पॉलिटिशियन अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ की स्ट्रगल को लेकर अक्सर खुलकर बात करते हैं। हाल ही में उन्होंने द ग्रेट इंडियन कपिल शो में शिरकत की। उन्होंने बताया कि कैसे राजनीति में आने के बाद आए उतार-चढ़ाव से उन्हें लगा था कि अब उनका फिल्मी करियर खत्म हो गया। रवि किशन जल्द ही अजय देवगन स्टारर सन ऑफ सरदार में दिखाई देंगे। अपने जर्नी पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि, लापता लेडीज को काफी सराहना मिली, ये फिल्म ऑस्कर तक पहुंची। मैं 34 साल से ऐसी सफलता की प्रार्थना कर रहा था। शुरू में कुछ भी मेरे हक में नहीं हुआ था। लेकिन महादेव की कृपा से मैं गोरखपुर का सांसद बन गया। उस समय मुझे लगा कि अब मुझे फिल्म इंडस्ट्री से कभी कोई कॉल नहीं आएगा। रवि किशन ने माना कि उन्हें लगा कि उनका फिल्मी करियर अब खत्म हो गया है। उन्होंने कहा, मैंने सोच लिया था कि अब इंडस्ट्री से अब कभी काम नहीं मिलेगा। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उन्होंने कहा, आखिरकार भगवान की कृपा ही आपको रास्ता दिखाती है। फिर किरण राव की फिल्म आई। इसमें मैंने एक पुलिसवाले का रोल किया जो लगातार पान चबाता रहता है। इस रोल के लिए मुझे एक ही जगह बैठे-बैठे 160 पान खाने पड़े। और इसी एक जगह से मेरी फिल्म ऑस्कर तक जा पहुंची। रवि किशन ने आगे कहा कि,सीन करते वक्त मैंने उन्हें कहा कि थोड़ा रिलैक्स हो जाओ। आधा दिन बीतने के बाद आखिर उन्होंने समझ लिया। रवि किशन ने साथ ही फिल्म सन ऑफ सरदार 2 में अपने किरदार की मजेदार कहानी सुनाई। उन्होंने बताया कि उनका किरदार आधा बिहारी और आधा पंजाबी है। सिर पर रंग-बिरंगी पगड़ी पहनता है। रवि ने शेयर किया कि उनके किरदार के पिता एक पंजाबी ट्रक ड्राइवर थे, जिन्होंने बिहार में शादी की थी। फिल्म में उनके पिता जहां जाते हैं वहां एक शादी कर लेते हैं। इससे आगे वो न बढ़ें इसलिए रवि पिता की टांगे तोड़ देते हैं।

रामायणम् के बाद आयेगी रामायण, राम बनेंगे सूर्या तो माता सीता का किरदार निभायेंगी आलिया भट्ट

रणबीर कपूर और यश स्टारर रामायणम् का इंतजार हर किसी को बेसब्री से है। उनकी फिल्म से लोगों की काफी उम्मीदें जुड़ गई हैं जिसके कई सारे कारण हैं। मगर रणबीर की रामायणम् की चर्चा के बीच अब एक और फिल्ममेकर रामायण बनाने की बात कर रहे हैं। जिसमें उन्होंने साउथ एक्टर सूर्या और बॉलीवुड स्टार एक्ट्रेस आलिया भट्ट को कास्ट करने की इच्छा जताई है। कुछ समय पहले साउथ की एक पैन इंडिया फिल्म कन्नप्पा रिलीज हुई थी जिसमें बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार भी अहम भूमिका में नजर आए थे। हालांकि इस फिल्म को ऑडियंस ने उतना अच्छा रिस्पॉन्स नहीं दिया था। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर भारी नुकसान भी झेलना पड़ा था। लेकिन लगता है कि अभी भी इसके मेकर्स का हौसला नहीं टूटा है। वो कन्नप्पा के बाद रामायण पर फिल्म बनाना चाहते हैं। हाल ही में कन्नप्पा के प्रोड्यूसर-एक्टर विष्णु मांचू ने नयनदीप रक्षित संग बातचीत में कहा कि वो साउथ एक्टर सूर्या और बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट संग रामायण बनाना चाहेंगे। इसकी उनके पास स्क्रिप्ट भी है जो उन्होंने कई सालों पहले तैयार कर ली थी। विष्णु मांचू से जब रामायण के लिए पूछा गया तो उन्होंने कहा, भगवान राम के किरदार के लिए मैं मिस्टर सूर्या और सीता माता के लिए आलिया भट्ट को कास्ट करना चाहूंगा।

विष्णु मांचू का आगे कहना है कि वो साल 2009 में सूर्या के पास रामायण फिल्म की स्क्रिप्ट लेकर गए थे जिसमें वो रावण के जन्म से लेकर उसके मरण तक की पूरी गाथा दिखाना चाहते थे। हालांकि बजट के चलते उन्हें फिल्म को बंद करना पड़ा। विष्णु ने कहा, मेरे पास एक स्क्रिप्ट पहले से तैयार है जिसमें मैं रावण के जन्म से उसकी मौत तक की पूरी कहानी दिखाना चाहता था। मैं सूर्या के पास 2009 में भगवान राम के किरदार का ऑफर लेकर गया था। इस फिल्म को लेजेंडरी डायरेक्टर राघवेंद्र राव बनाने वाले थे। विष्णु का कहना है कि उस वक्त फिल्म में रावण का किरदार उनके पिता मोहन बाबू प्ले करने वाले थे। लेकिन अब उन्हें नहीं पता कि वो कब उस प्रोजेक्ट को दोबारा शुरू करेंगे। फिल्ममेकर ने रामायण में भगवान हनुमान का किरदार निभाने की भी इच्छा जताई है।

100 करोड़ी क्लब से सिर्फ चंद कदम दूर फिल्म सैयारा

जनवरी से अब तक बॉलीवुड की तमाम फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुई हैं। मगर, ऐसी फिल्में चुनिंदा हैं, जिन्हें दर्शकों से प्यार मिला है। इन्हीं में सैयारा का नाम जुड़ गया है। नए सितारों की इस फिल्म ने दर्शकों पर जादू कर दिया है। 18 जुलाई को फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई और शानदार तरीके से शुरुआत की। दूसरे दिन भी कारोबार कमाल का रहा। जानते हैं आज इतवार की छुट्टी में फिल्म का प्रदर्शन कैसा रहा?

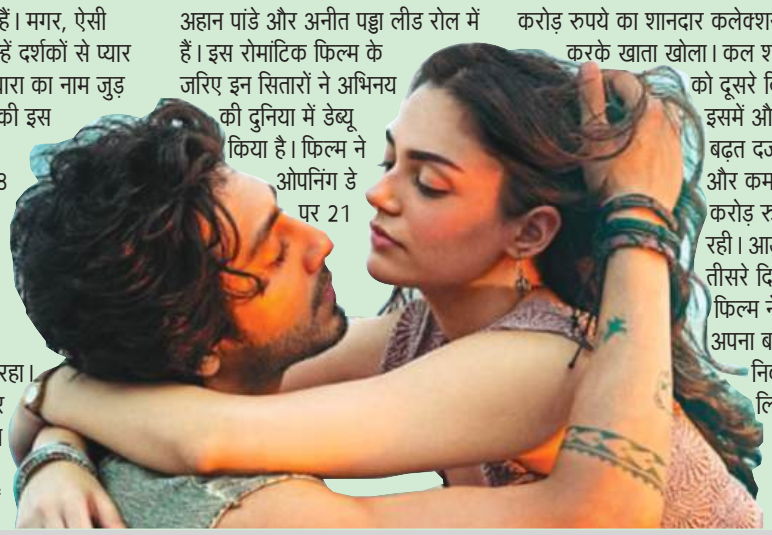

फिल्म सैयारा में अहान पांडे और अनीत पड्डा लीड रोल में हैं। इस रोमांटिक फिल्म के जरिए इन सितारों ने अभिनय की दुनिया में डेब्यू किया है। फिल्म ने ओपनिंग डे पर 21 करोड़ रुपये का शानदार कलेक्शन करके खाता खोला। कल शनिवार को दूसरे दिन इसमें और बढ़त दर्ज हुई और कमाई 25 करोड़ रुपये रही। आज तीसरे दिन ही फिल्म ने अपना बजट निकाल लिया है।

फिल्म सैयारा ने इतवार की छुट्टी का पूरा लाभ लिया है। खबर लिखे जाने तक प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक आज तीसरे दिन इसने 37 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अंतिम आंकड़े आने तक इनमें अभी और इजाफा होना तय है। फिल्म का टोटल कारोबार 83 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म का बजट करीब 50-60 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इस हिसाब से यह फिल्म ब्लॉकबस्टर बन चुकी है।

इस फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया है। उनके निर्देशन करियर की भी सैयारा बेस्ट ओपनर बन चुकी है। इस फिल्म को यशराज फिल्म्स के बैनर तले आदित्य चोपड़ा ने प्रोड्यूस किया है।

अजब-गजब | अल्वर्ट की घटती आबादी को बढ़ाने के लिए सरकार ने उठाए अहम कदम

फ्रांस में केवल 100 रुपये में मिल रहे हैं बड़े घर

घर अगर खरीदना हो तो बहुत सी बातों का ख्याल रखना होता है। अगर घर नया नहीं है तो घर की कीमत लगने में कई पहलू लागू होते हैं। घर में कहां है, उसके आसपास कैसी जगह है, ये सब तो बातें मायने रखती ही हैं। पर घर कितना पुराना है और उस पर कितना काम करने की जरूरत पड़ेगी यह भी काफी कुछ पुराने घर की कीमत तय करने में भूमिका निभाता है। यही कारण है कि कई घर उम्मीद से ज्यादा सस्ते होते हैं। फ्रांस के अंबर्ट में सिर्फ 1 यूरो, यानी केवल करीब 100 रुपये में ही घर खरीदने का मौका है।

यह सपने जैसा लगता है। लेकिन 100 रुपये के घर के साथ कुछ शर्तें हैं। ये घर पुराने हैं। इन्हें ठीक करने में बहुत खर्चा होगा। यह योजना अंबर्ट की घटती आबादी को बढ़ाने के लिए है। अब देखने वाली बात ये है कि कितने लोग इन शर्तों के साथ इस घर को खरीदना चाहते हैं। फिलहाल अंबर्ट में केवल 6,500 लोग रहते हैं।

ये घर केवल पहली बार खरीदने वालों के लिए हैं। जो लोग पहले ही एक बार घर खरीद चुके हैं। वे इसे नहीं खरीद सकते। दूसरी बार कोई घर खरीदने वाले इस योजना में हिस्सा नहीं ले सकते। दूसरी अहम बात खरीदारों को घर को रहने लायक बनाने के बाद कम से कम 3 साल तक वहां रहना होगा। अगर आप घर खरीद कर उसे किराए से चढ़ाने के मूड में हो तो ये ऑफर आपके लिए नहीं हैं। अगर

आपने ये शर्त पूरी ना की तो आपसे सरकारी अनुदान वापस लिया जा सकता है। जुर्माना भी देना पड़ सकता है। सच यही है कि ये घर बहुत खराब हालत में हैं। यानी रेनोवेशन का काफी काम है। छत, बिजली के तार और दीवारों को ठीक करना होगा। बहुत काम करना होगा। खरीदारों को एक लिखित योजना देनी पड़ सकती है। इसमें काम का विवरण और समय सीमा बतानी होगी। साफ है रेनोवेशन में भारी खर्चा होगा।

अंबर्ट फ्रांस के दक्षिण-पूर्व में है। यह शहर अपनी आबादी बचाने की कोशिश कर रहा है। कई यूरोपीय शहर ऐसी योजनाएं चला रहे हैं। सस्ते घर देकर वे नए लोगों को आकर्षित करते हैं। अंबर्ट भी यही चाहता है। लेकिन खरीदारों को कड़ी शर्तें माननी होंगी। ऐसे में शर्ते सुन कर कितने लोग घरों को खरीदने के लिए तैयार होंगे यह कहना मुश्किल हो सकता है। 1 यूरो में घर लेना आसान नहीं है। रेनोवेशन में लाखों रुपये लग सकते हैं। अंबर्ट में खरीदारों को सावधानी बरतनी होगी। उन्हें समय और पैसा दोनों लगाना होगा। यह योजना आकर्षक लगती है। पर इसके जोखिम भी हैं। लेकिन अंबर्ट जैसे छोटे शहरों की आबादी बचाने के लिए ऐसी योजनाएं जरूरी हैं। देखना यही है कि इन चुनौतियों में कितने लोग अवसरों को समझ पाते हैं।

यहां मात्र 600 रुपये में 5 मिनट के लिए मिलते हैं मर्द मां, जिनकी बाहों में मिलता है मां जैसा प्यार

सोचिए जरा...थककर घर लौट रही हो आप, दिल टूट चुका हो, किसी से झगड़ा हुआ हो या बस अकेलेपन से दिल भारी हो- और तभी कोई मर्द (मर्द मां) आता है...ना कोई सवाल, ना कोई शर्त, बस 5 मिनट की झप्पी देता है और बदले में 600 रुपए लेता है! चीन में ये ट्रेंड खासकर थकी-हारी लड़कियों के बीच तेजी से पॉपुलर हो रहा है। ऑफिस के ओवरटाइम से लेकर ब्रेकअप तक, जब भी कोई लड़की खुद को अकेला महसूस करती है, तो वो किसी मर्द मां की बाहों में एक 5 मिनट की थैरेपी तलाशती है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, शुरुआत में मैन मम्स को सिर्फ मस्कुलर जिम जाने वाले बॉडीबिल्डर टाइप माना जाता था। लेकिन अब इनका मतलब बदल चुका है। अब ये ऐसे मर्द होते हैं जिनके पास सिर्फ ताकत नहीं बल्कि एक मम्मी जैसी मुलायमियत भी होती है। वो प्यार से बात करते हैं, सब्र रखते हैं और एक ऐसे इंसान की तरह पेश आते हैं जो बस आपकी थकान, तनाव और उदासी को थोड़ी देर के लिए अपने कंधों पर रख ले। इस ट्रेंड की शुरुआत एक थकी-हारी लड़की की सोशल मीडिया पोस्ट से हुई, जिसने लिखा कि उसे थीसिस लिखने के प्रेशर में एक झप्पी चाहिए, और वो इसके लिए पैसे देने को भी तैयार है। सने लिखा कि, स्कूल में एक बार झप्पी मिली थी, तब बहुत सुकून मिला था। अब भी बस 5 मिनट की झप्पी चाहिए। और फिर क्या था! हजारों लड़कियों ने Weibo (चाइनीज ट्विटर) और Douyin जैसे चीनी सोशल प्लेटफॉर्म्स पर Man Mum सर्च करना शुरू कर दिया।

इन मर्द माओं से मिलने के लिए सबसे पहले लड़की चैट पर बात करती है- उसके स्वभाव, बॉडी टाइप और बात करने के तरीके के आधार पर तय होता है कि वो मर्द मां उसके लिए परफेक्ट है या नहीं। फिर तय होती है लोकेशन-जैसे मेट्रो स्टेशन, शॉपिंग मॉल या पार्क। झप्पी की कीमत तय होती है जो आमतौर पर 250 से 600 तक होती है। और हां, कभी-कभी तो लड़कियां भी Hug देने के लिए बुक होती हैं! रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक महिला ने बताया कि ओवरटाइम की थकान के बाद जब उसने एक Man Mum को हायर किया, तो वो उसके कंधे पर हाथ रखकर चुपचाप सुनता रहा- और बस उसी से उसका मन हल्का हो गया। एक और लड़की ने कहा कि जब वो उदास थी, तब उसने एक पास के कॉलेज के छात्र से झप्पी ली और उसके बाद वो दोनों बैठकर कॉफी पीते हुए जिंदगी की बातें करने लगे। एक ऑनलाइन यूज़र ने लिखा कि उसे सबसे ज्यादा खुशी उस अनजान इंसान की गर्मजोशी से मिली, जो सिर्फ झप्पी देने नहीं, बल्कि दिल से बात करने आया था। इन मर्द माओं के लिए ये सिर्फ काम नहीं, एक जिम्मेदारी भी है।

भाजपा सरकार में हर वर्ग परेशान

मप्र कांग्रेस की शिविर में जुड़े राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष बोले- देश में नफरत फैलाने का काम कर रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। धार जिले के मांडू में चल रहे मध्यप्रदेश कांग्रेस के 2 दिवसीय नव संकल्प शिविर के पहले दिन लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वर्चुअल माध्यम से विधायकों को संबोधित किया। राहुल गांधी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था दो चार उद्योगपतियों के हाथ में है। इससे हर वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि अगर मध्य प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी तो यहां जातीय जनगणना करवाई जाएगी। शासकीय नौकरियों में दलित, पिछड़ों, आदिवासियों और महिलाओं को मौका दिया जाएगा।

राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा देश में नफरत फैलाने का काम कर रही है। महाराष्ट्र के बाद मतदाता सूची में गड़बड़ी करने की योजना है और मध्य प्रदेश में भी चुनाव चोरी हो सकता है। इसलिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भिड़कर चुनावी तैयारी करना है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ और युवा नेता सामंजस्य बनाकर मध्य प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करें। इस तरह के आयोजनों को जारी रखते हुए सड़क पर भी आंदोलन करने की बात राहुल गांधी ने कही।

नकल करने के लिए भी अक्ल की जरूरत : सारंग

मांडू में कांग्रेस के प्रशिक्षण और कांग्रेस नेताओं के विधानसभा में हंगामा वाले बयान पर मंत्री विश्वास सारंग ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि नकल करने के लिए अक्ल की जरूरत होती है। कांग्रेस नेता अपना चरित्र, नीति और नियत ठीक करें। प्रशिक्षण वही देता सकता है जो खुद प्रशिक्षित हो। उन्होंने आगे कहा कि आदर्श की बात वही कर सकता है जो खुद अपने जीवन में आदर्श को उतारे। कांग्रेस के नेता चाहे दिल्ली में हो या मध्यप्रदेश में हो कभी भी उन्होंने अनुशासन का पालन नहीं किया। सारंग ने कहा कि उनकी मानसिकता इसी बात से प्रदर्शित हो रही है कि हम विधानसभा सत्र में हंगामा करने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। कांग्रेस नेता मांडू में विधानसभा में गुंडागर्दी करने का प्रशिक्षण दे रहे हैं। हंगामा, गुंडागर्दी और गदर का लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। यह कांग्रेस की अलोकतांत्रिक मानसिकता का परिचायक है।

पीड़ित जनता को न्याय दिलाने का लें संकल्प : नेता प्रतिपक्ष सिंघार

मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि बीजेपी की सरकार घोटालों से घिरी है और जनता त्रस्त है। किसान खाद के लिए मारा मारा फिर रहा है। यह शोषण के खिलाफ महिला, युवा, गरीब, आदिवासी और प्रदेश के प्रत्येक नागरिकों की खुशहाली का नव संकल्प है।

पार्टी शरीर है और विधायक उसका चेहरा : पटवारी

नौजवानों और किसानों के लिए है चुनौती भरा समय : कमलनाथ

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ वर्चुअल रूप से शिविर से जुड़े। उन्होंने कहा कि यह समय नौजवानों और किसानों के लिए चुनौती भरा है। निवेश आकर्षण से आता है डिमांड से नहीं। मध्य प्रदेश में निवेश लाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। वहीं मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि पार्टी शरीर है और विधायक उसका चेहरा है। हमारे पास 3 वर्ष और 4 का समय है। कांग्रेस के लिए यह परीक्षा की घ?ी है और 2028 में हमें पास होना है।

टाइगर रिजर्व की सीमाओं के पुनर्निर्धारण पर घिरी भजन सरकार

» भड़की कांग्रेस, जूली ने सीईसी को आपत्ति-पत्र सौंपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व की सीमाओं के पुनर्निधारण को लेकर सरकार विवादों में आ गई है। कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार को घेर रही है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इस मामले को लेकर अपना कड़ा विरोध दर्ज करवाया है। उन्होंने इसे बाघों के प्राकर्तिक आवास और संरक्षण के साथ अन्याय बताया है। जूली ने अपना विरोध जताते हुए केंद्रीय सशक्त समिति (सीईसी) को आपत्ति पत्र भी लिखा है। हाल में वन विभाग सरिस्का की सीमाओं के रेशनलाइजेशन का प्रस्ताव तैयार किया है। इस पर नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि राजस्थान सरकार ने इस प्रक्रिया में कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी की है।

जूली ने आरोप लगाया कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिए गए वचनों का उल्लंघन करते हुए का क्षेत्र घटाया है, जबकि आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में 48 बाघों के लिए 1820.99 वर्ग किमी क्षेत्र की आवश्यकता है। इसके विपरीत, प्रस्ताव में मात्र 85 हेक्टेयर क्षेत्र ही जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 2004 में जब सरिस्का में सिर्फ 492 वर्ग किमी क्षेत्र संरक्षित था, तब यहां से बाघ विलुप्त हो गए थे, लेकिन 2007 में अतिरिक्त क्षेत्र॥ जोड़े जाने के बाद पुन: बाघों की वापसी हुई। जूली ने कहा कि सरिस्का को आबाद रखने के लिए डॉ. मनमोहन सिंह सरकार ने टाइगर प्रोजेक्ट शुरू किया।

नीतीश कुमार सीरीज और अर्शदीप अगले मैच से बाहर

» चौथे मैच में बुमराह रहेंगे उपलब्ध, कंबोज कर सकते हैं डेब्यू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनचेस्टर। भारत और इंग्लैंड के बीच बुधवार से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा टेस्ट खेला जाना है। इससे दो दिन पहले भारतीय टीम को दो बड़े झटके लगे हैं। ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी पूरी सीरीज और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह सिर्फ अगले टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को टीम से जोड़ा गया है। रेड्डी बाएं घुटने की चोट के कारण बाकी दो टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। अर्शदीप सिंह इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में होने वाले चौथे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। नेट्स पर गेंदबाजी करते समय उनके बाएं अंगूठे में चोट लग गई थी।

अर्शदीप इस सीरीज में अभी तक नहीं एक भी मैच नहीं खेल सके हैं, जबकि नीतीश रेड्डी लॉर्ड्स और एजबेस्टन, दो टेस्ट में खेले थे। इसके अलावा तेज गेंदबाज आकाश दीप भी ग्रोइन की चोट से जूझ रहे हैं। उनकी उपलब्धता पर भी संशय है, लेकिन बीसीसीआई की ओर से इस पर कोई बयान नहीं आया है। अगर आकाश दीप मैच से पहले फिट नहीं हो सके तो उनकी जगह किसे प्लेइंग-11 में शामिल किया जा सकता है। आकाश की जगह प्रसिद्ध और अंशुल कंबोज दावेदार हैं। प्रसिद्ध और कंबोज ने अभ्यास सत्र में पूरे दम से गेंदबाजी की। वहीं मोहम्मद सिराज ने इस बात की पुष्टि की है कि जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ 23 जुलाई से होने वाले चौथे टेस्ट मैच में खेलेंगे।

भारतीय महिला टीम का इंग्लैंड से निर्णायक मैच आज

लंदन। भारतीय महिला क्रिकेट टीम आज इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के तीसरे और निर्णायक मुकाबले में उतरेगी। तीन मैचों की सीरीज अभी 1-1 से बराबरी पर है। भारतीय टीम ने पहले मैच में दीप्ति शर्मा के अर्धशतक की मदद से चार विकेट से जीत हासिल की थी। बारिश से प्रभावित दूसरे मैच में मेजबान टीम 8 विकेट से जीतने में सफल रही थी। भारतीय टीम में ओपनर स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा के अलावा अन्य बल्लेबाज बेहतर नहीं कर पा रही हैं। कप्तान हरमनप्रीत, जेमिमा, हरलीन और प्रतिका को बड़ी पारी खेलनी होगी। निचले क्रम में रिचा घोष और दीप्ति अच्छा सहयोग करने की क्षमता रखती हैं। भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के सामने मुश्किलें आ रही हैं। एक्लेस्टोन ने लॉर्ड्स में खेले पिछले मैच में 27 रन देकर तीन विकेट लिए थे। दोनों ही टीमों के लिए यह सीरीज महत्वपूर्ण है क्योंकि दो महीने के अंतराल में विश्वकप शुरू होने वाला है। वनडे का यह प्रतिष्ठित महिला टूर्नामेंट 30 सितंबर से शुरू होगा, जिसकी मेजबानी श्रीलंका और भारत के पांच शहर करेंगे।

370 हटाना आतंकवाद का हल नहीं: उमर

» सीएम बोले- पाकिस्तान की वजह से नहीं बन सका आतंक मुक्त कश्मीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने साफ किया कि अनुच्छेद 370 हटाना आतंकवाद खत्म करने का हल नहीं था। उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें 26 निर्दोष नागरिकों की जान चली गई, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि समस्या की जड़ पाकिस्तान की नीयत में है, न कि संविधान के किसी प्रावधान में। अगर पाकिस्तान की नीयत खराब रहेगी, तो हम जम्मू-कश्मीर को कभी पूरी तरह आतंक मुक्त नहीं बना पाएंगे।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि पाकिस्तान की विरोधी मानसिकता जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद मुक्त बनाने में सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। उन्होंने दो टूक कहा कि भारत अब किसी भी आतंकी हमले को युद्ध की कार्यवाही के तौर पर देखता है और पाकिस्तान को अपनी नीति पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी देते हुए कहा कि अब भारत सरकार ने आतंकी हमले को लेकर अपना रुख बेहद सख्त कर लिया है। अब किसी भी प्रकार का हमला सीधे युद्ध की तरह देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे पाकिस्तान को यह सोचना होगा कि क्या वह पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में झोंकना चाहता है।

तय होनी चाहिए पहलगाम हमले की जिम्मेदारी

पहलगाम हमले पर उमर अब्दुल्ला ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा सुरक्षा चूक स्वीकारने की सराहना की, लेकिन यह भी जोड़ा कि सिर्फ यह स्वीकार करना काफी नहीं है, अब जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और कार्रवाई होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पर्यटन स्थलों की सुरक्षा समीक्षा कर रही है और अमरनाथ यात्रा के बाद बंद स्थलों को दोबारा खोलने की तैयारी है। उन्होंने भरोसा जताया कि जम्मू-कश्मीर फिर से सैलानियों की पहली पसंद बनेगा। पर्यटन हमारी अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा है, और इसे सामान्य बनाने के लिए हमें अपनी सुरक्षा व्यवस्थाएं दुरुस्त करनी होंगी।

गैंगस्टरों और माफियाओं का है हरियाणा में शासन : सुरजेवाला

» कांग्रेस ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर चिंता जताई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा, प्रदेश का शासन गैंगस्टरों और माफिया के हाथ में चला गया है। सुरजेवाला ने इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला को मिली धमकी पर कहा कि यह भी बेहद चिंताजनक बात है कि एक राजनैतिक पार्टी के मुखिया को धमकी मिल रही है।

सुरजेवाला ने कहा कि 11 वर्ष पहले राज्य में भाजपा के सत्ता में आने से पहले अखबारों में हेडलाइन खिलाड़ियों के मेडल जीतने, युवाओं की फौज में बहादुरी, एनसीआर में बड़ें पूंजी निवेश, देश के सभी राज्यों में हरियाणा की तरक्की पर होती थी। 2014 में भाजपा सरकार बनने के बाद अखबारों की हेडलाइन बदल गयीं है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ के इस्तीफे से गरमाई सियासत

» विपक्ष ने उठाए सवाल, पर्दे के पीछे खेल, भाजपा में भारी तनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे को लेकर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय और बीजेपी नेताओं की चुप्पी को संदिग्ध बताया है और कहा है कि इससे स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि पर्दे के पीछे कुछ बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम चल रहा है।

धनखड़ के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस ही नहीं, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और तृणमूल कांग्रेस जैसे विपक्षी दल भी सवाल उठा चुके हैं। कई नेताओं ने इसे सामान्य इस्तीफा मानने से इनकार करते हुए कहा कि उपराष्ट्रपति जैसे संवैधानिक पद से अचानक हटना कोई साधारण बात नहीं हो सकती। उल्लेखनीय है कि जगदीप धनखड़ ने अपना इस्तीफा सोमवार को राष्ट्रपति को सौंप दिया था, जिसमें उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया, लेकिन अब तक न तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न ही किसी वरिष्ठ बीजेपी नेता ने सार्वजनिक रूप से कोई बयान दिया है। न ही उन्हें शुभकामनाएं दी गई हैं और न ही उनके कार्यकाल के लिए धन्यवाद प्रकट किया गया है।

विपक्ष ने पीएमओ और बीजेपी नेताओं की चुप्पी को संदिग्ध बताया

पीएम मोदी की चुप्पी पर सवाल : पवन खेड़ा

पवन खेड़ा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, देश के उपराष्ट्रपति ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर इस्तीफा दे दिया, लेकिन प्रधानमंत्री कार्यालय और बीजेपी से जुड़े किसी भी व्यक्ति ने अब तक ना उन्हें स्वस्थ होने की शुभकामनाएं दी और ना ही उनका धन्यवाद किया। यह चुप्पी इस बात की ओर इशारा करती है कि पर्दे के पीछे कोई बड़ा खेल चल रहा है और बीजेपी भारी तनाव में है।

कुछ बहुत बड़ा होने वाला है : संजय राउत

उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने आशंका जताई है कि परदे के पीछे बहुत कुछ हो रहा है। दिल्ली की राजनीति में कुछ बड़ा होने वाला है। संजय राउत ने कहा, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा होना कोई सामान्य घटना नहीं है जहां तक मैं उनको जानता हूं, वह ऐसे मैदान छोड़ने वाले आदमी नहीं है। वह लड़ने वाले व्यक्ति हैं। उनकी हेल्थ बिल्कुल ठीक है, कल मैंने उनको देखा है। सितंबर में बहुत कुछ होगा देखते जाइए।

क्या पर्दे के पीछे कुछ और चल रहा है : आनंद दुबे

वहीं, शिवसेना यूबीटी के विधायक आनंद दुबे ने भी कुछ ऐसा ही कहे. उनका कहना है, जिस तरह से मॉनसून सत्र के पहले ही दिन उनका इस्तीफा सामने आया है, वह कई सवाल खड़े करता है, क्या यह सच में सिर्फ स्वास्थ्य कारण है, या फिर पर्दे के पीछे कुछ और चल रहा है? अहम संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति का इस्तीफा किसी भी सत्र के ठीक पहले आना, खासकर तब जब सदन में कई संवेदनशील मुद्दों पर बहस की उम्मीद हो, एक संदेहास्पद परिस्थिति बनाता है।

न्याय नहीं कर पा रहे तो पद छोड़ देना उचित : राम कदम

बीजेपी विधायक राम कदम ने कहा, उप राष्ट्रपति ने अपने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया है. इतिहास में यह संभवतः पहला उदाहरण है जब किसी व्यक्ति ने इतने उच्च पद पर रहते हुए भी खुद ही अपना इस्तीफा सौंप दिया हो।मेरे जैसे मेहनती कार्यकर्ता को इससे यही सीख मिलती है कि कोई भी पद व्यवस्था के लिए होता है और अगर हम स्वास्थ्य या किसी अन्य कारण से उस व्यवस्था के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हैं, तो उस पद को छोड़ देना ही उचित है।

नड्डा ने किया चेयर का अपमान : सुखदेव भगत

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने बीएसी मीटिंग में जेपी नड्डा और रिजिजू के शामिल न होने को लेकर सवाल उठाया था। उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को लेकर कहा कि इस्तीफे की पटकथा पहले ही लिखी जा चुकी थी। भगत ने कहा, सदन में जेपी नड्डा ने कहा था कि मेरे शब्द रिकॉर्ड में दर्ज होंगे, यह सीधे तौर पर चेयर का अपमान है।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे पर सरकार स्पष्टीकरण दे : गौरव गोगोई

लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे को 'चौंकाने वाला' घटनाक्रम करार देते हुए मंगलवार को केंद्र से यह स्पष्ट करने को कहा कि क्या उसे इस बारे में पहले से कोई जानकारी थी। गोगोई ने उपराष्ट्रपति पद के लिए नयी नियुक्ति के संबंध में भी सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, माननीय उपराष्ट्रपति का इस्तीफा चौंकाने वाला है। मैं आदरणीय धनखड़ जी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। उन्होंने कहा, लेकिन केंद्र सरकार यह स्पष्ट करे कि क्या उसे पहले से इसकी सूचना थी और क्या उसने नया उपराष्ट्रपति चुनने के लिए योजना बनाई थी।

स्वास्थ्य कारण नहीं कुछ और और वजह से दिया इस्तीफा: जयराम रमेश

वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश, जो अक्सर राज्यसभा में धनखड़ से बहस करते रहे हैं, ने खुलासा किया कि इस्तीफे की खबर आने से दो घंटे पहले उन्होंने धनखड़ से फोन पर बात की थी। रमेश ने कहा कि धनखड़ अपने परिवार के साथ थे और उन्हें तत्काल कोई चिंता नहीं है, और अगले दिन बातचीत जारी रखने की योजना है। कांग्रेस ने दावा किया कि जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के पीछे उनके द्वारा बताए गए स्वास्थ्य कारणों के अलावा कोई और अधिक गहरे कारण हैं। कांग्रेस ने कहा कि धनखड़ का इस्तीफा उनके बारे में बहुत कुछ कहता है और साथ ही यह उन लोगों की नीयत पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है जिन्होंने उन्हें उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचाया। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि धनखड़ ने सोमवार को अपराह्न साढ़े 12 बजे राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति की अध्यक्षता की थी। कांग्रेस ने कहा कि सोमवार अपराह्न एक बजे से शाम साढ़े चार बजे के बीच कुछ बहुत गंभीर घटित हुआ था कि केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा और किरेन रीजीजू कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में नहीं पहुंचे थे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि धनखड़ मानदंडों, मर्यादाओं एवं नियमों के प्रति बेहद सजग थे और उनका मानना था कि उनके कार्यकाल में इन नियमों की लगातार अवहेलना की जा रही थी।

संसदीय कार्यों में व्यस्त था : नड्डा

इस मामले पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा की प्रतिक्रिया आ गई है। उन्होंने बैठक में शामिल न होने का कारण बताते हुए कहा कि संसदीय कार्यों में व्यस्त थे। जेपी नड्डा ने कहा, किरेन रिजिजू और मैं उपराष्ट्रपति की बुलाई गई 4.30 बजे वाली बैठक में हिस्सा नहीं ले पाए, क्यों कि हम किसी अन्य महत्वपूर्ण संसदीय कार्य में व्यस्त हो गए थे। इसको लेकर माननीय उपराष्ट्रपति के दफ्तर को सूचना दे दी गई थी। इसके अलावा मैंने राज्य सभा में जो बात कही कि, जो मैं बोल रहा हूं, वही ऑन रिकॉर्ड जाएगा। यह विपक्ष की टोका-टोकी करने वाले सांसदों के लिए थी, न कि चेयर के लिए।

नड्डा और रीजीजू के बैठक में ना आने से नाराजगी!

कांग्रेस नेता के इस दावे पर सरकार की तरफ से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। कल जगदीप धनखड़ ने अपराह्न साढ़े 12 बजे राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति की अध्यक्षता की। इसमें सदन के नेता जे पी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू सहित अधिकतर सदस्य उपस्थित थे। कुछ चर्चा के बाद, कार्य मंत्रणा समिति ने शाम साढ़े चार बजे पुनः बैठक करने का निर्णय लिया।'' उन्होंने कहा, शाम साढ़े चार बजे कार्य मंत्रणा समिति जगदीप धनखड़ की अध्यक्षता में पुनः एकत्रित हुई। बैठक में नड्डा और रीजीजू के आने का इंतज़ार हो रहा था। वे नहीं आए। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि धनखड़ को व्यक्तिगत रूप से यह सूचित नहीं किया गया था कि दोनों वरिष्ठ मंत्री बैठक में शामिल नहीं हो रहे और धनखड़ को इसका बुरा लगा तथा फिर उन्होंने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक मंगलवार दोपहर एक बजे के लिए पुनर्निर्धारित कर दी। रमेश ने दावा किया कि सोमवार अपराह्न एक बजे से शाम साढ़े चार बजे के बीच कुछ बहुत गंभीर घटना हुई जिसके कारण नड्डा और रीजीजू दूसरी कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में जानबूझकर अनुपस्थित रहे।

यूपी से लेकर छत्तीसगढ़ तक कांग्रेस का हल्ला बोल

» राज्य में बिजली कटौती, निजीकरण और यूरिया खाद की किल्लत को लेकर प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन जारी

» छत्तीसगढ़ में आर्थिक नाकेबंदी कर भाजपा का करेंगे प्रतिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी से लकर छत्तीसगढ़ तक भाजपा सरकार केखिलाफ कांग्रेस सड़कों पर उतरी है। जहां यूपी में बिजली काटौती, निजीकरण और यूरिया खाद की किल्लत के विरोध प्रदर्शन किया गया। वहीं छत्तीगढ़ में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के यहां ईडी की छापेमारी के खिलाफ हल्ला बोल किया जा रहा है। यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बताया कि मंगलवार को प्रदेश के सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किया गया।

यह प्रदर्शन सभी जिला /तहसील/ब्लाक मुख्यायलों पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया गया। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को ईडी की ओर से गिरफ्तार करने के विरोध में छतीसगढ़ कांग्रेस 22 जुलाई को पूरे राज्य में आर्थिक नाकेबंदी की। कांग्रेसी राज्य सरकार, उद्योगपति अडानी और केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ 22 जुलाई को पूरे प्रदेश में आर्थिक नाकेबंदी करते हुए चक्का जामकिया। इस संबंध में पिछले दिनों पार्टी की बड़ी बैठक में फैसला लिया जा चुका है।

पार्टी का लक्ष्य 2027 का विस चुनाव : अविनाश पांडेय

इससे पहले बैठक में मौजूद प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने कहा कि संगठन सृजन सिर्फ कार्यकारिणी गठित करने के लिए नहीं हो रहा है बल्कि यह एक ऐसा प्रदेश व्यापी अभियान है जिसका लक्ष्य 2027 का विधानसभा चुनाव है। हम आगामी पंचायत चुनाव में अपने दम पर लड़ेंगे और इन्हीं चुनावों में 2027 के रण का बिगुल फूंक देंगे।

छत्तीसगढ़ के संसाधनों को लूट रही भाजपा सरकार : दीपक बैज

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेसी दो घंटे (दोपहर 12 से 2 बजे) तक पांच संभागों के सभी प्रमुख मार्गों राष्ट्रीय राजमार्गों एवं राजकीय राजमार्गों पर चक्काजाम कर आर्थिक नाकेबंदी की। यह आर्थिक नाकेबंदी प्रदेश की जनता की ओर से छत्तीसगढ़ के संसाधनों की लूट का प्रतिकार होगा। उन्होंने कहा कि इस नाकेबंदी से एम्बुलेंस और स्कूल वाहनों को अलग रखा गया है। हमारा उद्देश्य छत्तीसग? की संपदा को बचाना है। रायपुर में मुंबई, कोलकाता नेशनल हाईवे पर वीआईपी चौक तेलीबांधा, बिलासपुर, रायपुर हाईवे पर सांकरा, आरंग, अभनपुर, तिल्दा, खरोरा में नाकेबंदी की जायेगी। इसी प्रकार प्रदेश के सभी शहरों में चक्का जाम नाकेबंदी होगी बैजे ने आरोप लगाते हुए कहा कि कारोबारी अडानी छत्तीसगढ़ की संपदा को लूट रहे हैं। उसका विरोध करने वालों के यहां ईडी की छापेमारी करवाया जा रहा है।

बांग्लादेश सैन्य विमान दुर्घटना में अब तक 27 लोगों की मौत

» मृतकों में 25 बच्चे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक स्कूल और कॉलेज परिसर में बांग्लादेश वायु सेना के एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और 160 से ज़्यादा घायल हो गए। यह दुर्घटना ढाका के उत्तरी उत्तरा इलाके में माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज में हुई। सेना ने एक बयान में कहा कि प्रशिक्षण विमान ने स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:06 बजे उड़ान भरी थी और फिर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

रॉयटर्स के हवाले से सेना के जनसंपर्क विभाग ने कहा, बांग्लादेश वायु सेना का प्रशिक्षण विमान उत्तरा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चीन में निर्मित प्रशिक्षण लड़ाकू विमान एफ-7 बीजीआई में उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद तकनीकी खराबी आ गई और सोमवार को यह ढाका के उत्तरा क्षेत्र के दियाबारी में स्थित माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज की दो मंजिला इमारत से टकरा गया। मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद युनुस के विशेष सलाहकार सैदुर रहमान ने संवाददाताओं से कहा, अब मृतकों की संख्या 27 हो गई है और उनमें से 25 बच्चे हैं।लगभग 170 लोग घायल हुए है जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। शुरूआत में 20 लोगों की मौत की सूचना दी गई थी और सात लोगों की सोमवार रात में मौत हो गई।

दुर्घटना में मारे गए लोगों में पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम भी शामिल थे।सरकार ने दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों की याद में मंगलवार को राजकीय शोक दिवस घोषित किया है। सोमवार को मुख्य सलाहकार कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में घोषणा की गई कि देश भर के सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी, स्वायत्त संस्थानों और शैक्षणिक संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।